## डीसीएम की टक्कर से बाइक सवार किसान की मौत

**मंडी तिराहे के पास हादसा, पुलिस ने चालक और वाहन को पकड़ा**

लेड़ियारी (प्रयागराज)। खीरी थाना क्षेत्र के लेड़ियारी बाजार में सोमवार को डीसीएम की टक्कर से बाइक सवार किसान की मौके पर ही मौत हो गयी। हादसे की सूचना मिलते ही परिजन घटनास्थल पर पहुंचे। वहां का दृश्य देखकर परिवार में चीख-पुकार मच गयी। पुलिस ने डीसीएम और उसके चालक को पकड़कर शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।



मृतक देवराज की फाइल फोटो

जानकारी के अनुसार, लेड़ियारी निवासी देवराज कुशवाहा (५०) पुत्र नर्मदा प्रसाद कुशवाहा सोमवार को घर से रिश्तेदारी में निमंत्रण में शामिल होने जा रहे थे।

वह घर से कुछ ही दूर मंडी तिराहे के पास पहुंचे थे, तभी खीरी की ओर से आ रही डीसीएम ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद वह वाहन की चपेट में आ गये और मौके पर ही उनकी मौत हो गयी। हादसे की खबर मिलते ही स्वजन घटनास्थल पर पहुंचे और शव देखकर बिलखने लगे।

पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आवश्यक कारवाई की और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। देवराज खेती-किसानी कर परिवार का भरण-पोषण करते थे। उनके परिवार में एक बेटा और एक बेटी हैं।

हादसे से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। नवमी के उत्सव के बीच हुई इस घटना से पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल है।

## अंधाधुंध बिजली कटौती और ट्रिपिंग से करछना क्षेत्र के लोग परेशान

करछना (प्रयागराज)। करछना विद्युत उपकेंद्र और घोड़ेदी, वीरपुर, बसही, खाई, कटक, महुआ, पुत्रियां, अतुल की डीहा सहित विभिन्न क्षेत्रों में पिछले एक सप्ताह से अंधाधुंध बिजली कटौती और बार-बार ट्रिपिंग से लोग परेशान हैं। करछना, हिंदूपुर, फत्तेपुर, करेहा, पचदेवरा, बरदहा, पुरैनी, महोरी, भरहा और मोगलहा सहित दर्जनों गांवों में विद्युत आपूर्ति प्रभावित होने से लोगों को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है।

ग्रामीणों के अनुसार, इन दिनों मुश्किल से १० से १२ घंटे ही बिजली मिल पा रही है। बार-बार कटौती और ट्रिपिंग के कारण उमस भरी गर्मी में लोगों की परेशानी बढ़ गयी है। वहीं, बिजली की अनियमित आपूर्ति से जायद की फसलों की सिंचाई भी प्रभावित हो रही है। किसानों को समय पर पानी नहीं मिलने से फसलों की देखभाल में दिक्कतें उठानी पड़ रही हैं।

ग्रामीणों का आरोप है कि विभागीय अधिकारी गर्मी में आयेवरलोड बढ़ने का हवाला देकर समस्या से पल्ला झाड़ लेते हैं। उनका कहना है कि जर्जर तारों और खंभों के साथ ट्रांसफार्मरों के रखरखाव में लापरवाही भी बिजली आपूर्ति बाधित होने का कारण है।

लोगों ने संबंधित विभाग से विद्युत व्यवस्था दुरुस्त करने, बार-बार होने वाली ट्रिपिंग रोकने और गांवों में नियमित आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग की है।



प्रतिष्ठानपुरी स्थित एडीए कालोनी, नई झूंसी के दुर्गा पूजा पण्डाल में विराजमान मां दुर्गा की प्रतिमा।

## महाष्टमी पर मां दुर्गा के जयकारों से गूंजा एडीए कालोनी का पण्डाल

**महिषासुर मर्दिनी की आकर्षक झांकी बनी मुख्य आकर्षण प्रतियोगिताओं के विजेता हुए सम्मानित**

झूंसी (प्रयागराज)। महाष्टमी के अवसर पर प्रतिष्ठानपुरी स्थित एडीए कालोनी, नई झूंसी के नवदुर्गा पूजा समिति के पण्डाल में भक्ति और श्रद्धा का अद्भुत संगम देखने को मिला। शंखनाद, घंटा-घड़ियाल की गूंज और भक्ति गीतों के बीच श्रद्धालुओं ने मां दुर्गा की आराधना कर सुख-समृद्धि और लोककल्याण की कामना की।

महाष्टमी पर दोपहर में विधि-विधान से हवन-पूजन संपन्न हुआ। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच श्रद्धालुओं ने आहुतियां अर्पित कर परिवार, समाज और विश्व के कल्याण की प्रार्थना की। शाम को आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। कार्यक्रम में मां दुर्गा के महिषासुर मर्दिनी स्वरूप की आकर्षक झांकी विशेष आकर्षण का केंद्र रही। झांकी के माध्यम से अधर्म पर धर्म, असत्य पर सत्य और आसुरी शक्तियों पर दैवीय शक्ति की विजय का संदेश दिया गया। मां के दिव्य स्वरूप के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं में खासा उत्साह रहा। भक्ति गीतों और धार्मिक आयोजनों से पूरा पण्डाल भक्तिमय बना रहा। कार्यक्रम में समिति के अध्यक्ष अंबुज पांडेय, कोषाध्यक्ष डा. कन्हैया सिंह, उपाध्यक्ष अशोक श्रीवास्तव, महामंत्री अरुण कुमार शुक्ला, मंत्री सर्वेश बिंद और राम बिंद सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

## आशुतोष मेमोरियल स्कूल में धूमधाम से सजी डांडिया नाइट्स

**मां दुर्गा के नौ स्वरूपों में सजीं नन्हीं छात्राओं ने मोहा मन**

हनुमानगंज (प्रयागराज)। धनैचा मखनपुर स्थित आशुतोष मेमोरियल स्कूल में डांडिया नाइट्स का भव्य आयोजन किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं, शिक्षकों और अभिभावकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। रंगारंग प्रस्तुतियों और डांडिया की धुनों से विद्यालय परिसर उत्सव के रंग में सराबोर हो उठा।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण नन्हीं छात्राओं की मां दुर्गा के नौ स्वरूपों पर आधारित मनमोहक प्रस्तुति रही। देवी के विभिन्न रूपों में सजी बच्चियों ने आकर्षक वेशभूषा और शानदार मंच प्रदर्शन से उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। पारंपरिक परिधानों में सजे प्रतिभागियों ने डांडिया नृत्य प्रस्तुत कर कार्यक्रम में चार चांद लगा दिये। समारोह में न्यायमूर्ति योगेश कुमार और उनकी धर्मपत्नी नेहा चौहान, गायिका स्वाति निरखी, जीबी पंत सामाजिक विज्ञान संस्थान के प्रशासनिक अधिकारी केशव किशोर उपाध्याय, रोटरी प्रयागराज संगम के अध्यक्ष अमरेंद्र कुमार और उनकी धर्मपत्नी वर्तिका सिंह तथा राजीव शुक्ला सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। विद्यालय के चेयरमैन प्रो. जेपीएन मिश्रा ने अतिथियों को पुष्पगुच्छ और शाल भेंटकर स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन वतेन्द्र सिंह ने किया। बच्चों और अभिभावकों का उत्साह बढ़ाने के लिए विद्यालय प्रबंधन की ओर से विशेष लकी ड्रा भी आयोजित किया गया। इसमें विजेताओं को अतिथियों के हाथों आकर्षक उपहार प्रदान किये गये। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, पारंपरिक परिधानों और उत्साहपूर्ण माहौल के बीच डांडिया नाइट्स यादगार बन गयी।



## कुंदन कुटी दुर्गा पण्डालमें हवन-पूजन के बाद नौ कन्याओं को कराया गया भोज

**नवरात्र के नौ दिनों तक पूजा-पाठ, आरती और जागरण से भक्तिमय रहा माहौल**

पचदेवरा (प्रयागराज)। करछना क्षेत्र के कुंदन कुटी भरहा स्थित बाबा कुंदन दास कुटी दुर्गा पूजा पण्डाल में नवरात्र के अवसर पर नौ दिनों तक विधि-विधान से मां दुर्गा की पूजा-अर्चना, पाठ, आरती और जागरण का आयोजन किया गया। इस दौरान छोटे बच्चों के कलाकारों ने कृष्ण-सुदामा, राधा-कृष्ण, काली तांडव और भक्त हनुमान सहित विभिन्न धार्मिक प्रसंगों की आकर्षक झांकियां प्रस्तुत कीं।

नवमी के अवसर पर पूजा-अर्चना के बाद हवन कराया गया और नौ कन्याओं को भोज कराकर उनका आशीर्वाद लिया गया। आचार्य जगतपाल पटेल और पुजारी पंडित प्रदीप कुमार पटेल ने विधि-विधान से पूजन संपन्न कराया। इसके बाद मां के दरबार में उपस्थित श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। आयोजकों के अनुसार, दशमी के दिन मां दुर्गा की प्रतिमा का विसर्जन पुलिस की गाइडलाइन के अनुसार किया जायेगा। इस अवसर पर इंद्रजीत, जयशंकर प्रसाद, अनुज पटेल, आशीष पटेल, विनोद पटेल, विष्णुकांत, अनीश पटेल, राहुल पटेल (सिंटू), दिलीप पटेल (दीपू) सहित नवदुर्गा जागरण समिति के सदस्य और बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।



## नवरात्र महोत्सव के समापन पर डांडिया नृत्य ने बांधा समा

**मां सिद्धिदात्री की पूजा-अर्चना के बाद महिलाओं ने दी मनमोहक प्रस्तुतियां**

करछना (प्रयागराज)। क्षेत्र के पिपरांव गांव में आयोजित नौ दिवसीय मां दुर्गा नवरात्र महोत्सव के समापन से पूर्व डांडिया नृत्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मां सिद्धिदात्री की पूजा-अर्चना और आरती के बाद बड़ी संख्या में जुटीं महिलाओं ने डांडिया की मनमोहक प्रस्तुतियां देकर माहौल को उल्लास और उमंग से भर दिया। रंग-बिरंगे परिधानों में सजी महिलाओं ने संगीत की धुन पर नृत्य कर उत्सव की रौनक बढ़ाई।



प्रथम वर्ष से आयोजित हो रहे इस महोत्सव में प्रतिदिन विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों में स्थानीय श्रद्धालुओं की भागीदारी रही। डांडिया कार्यक्रम में महिलाओं ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया और देर तक भक्ति एवं संगीत के रंग में रंगी नजर आईं।

समिति की ओर से शंभू सिंह, अभिषेक श्रीवास्तव और सुनील कुमार प्रजापति ने प्रतिभागियों को सम्मानित किया। कार्यक्रम में निशा सिंह, साक्षी श्रीवास्तव, किरण सिंह, आशा प्रजापति, कुसुम श्रीवास्तव, सोना, निशा प्रजापति, साधना सिंह, विशाखा, पीयूषा केसरवानी, आंचल, प्रांशी, मीनू पांडेय, प्रतिमा पूजा, प्रियंका कृष्णावती, प्रिंसी श्रद्धा, पम्मी सिंह और नैन्सी समेत बड़ी संख्या में महिलाएं एवं श्रद्धालु मौजूद रहे।

## ताला तोड़कर लाखों के गहने और ४७ हजार रुपये नकद उड़ाये, मुकदमा दर्ज

भारतगंज (प्रयागराज)। सपरिवार खेत में धान काटने गये किसान के घर को चोरों ने निशाना बना लिया। मुख्य द्वार का ताला तोड़कर घर में घुसे चोर बाक्स का ताला तोड़कर लाखों रुपये के गहने और ४७ हजार रुपये नकद लेकर फरार हो गये। पीड़ित की तहरीर पर मांडा पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।मांडा थाना क्षेत्र के सिकरा गांव निवासी मुन्नूलाल मौर्य ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि शनिवार सुबह वह परिवार के साथ घर से करीब ५०० मीटर दूर स्थित खेत में धान काटने गये थे। सुबह करीब ११ बजे जब वे घर लौटे तो मुख्य द्वार का ताला टूटा मिला। अंदर जाकर देखा तो बाक्स का ताला भी टूटा था और उसमें रखे लाखों रुपये के गहने व ४७ हजार रुपये गायब थे।घटना की जानकारी मिलते ही पीड़ित ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

## नैनीके महेवा में ई-रिक्शा की बैटरियां चुराने वाला गिरोह सक्रिय

**पांच दिन में तीन घटनाएं, बैटरी निकालकर सड़क किनारे छोड़ गये रिक्शे, चालकों की रोजी-रोटी पर संकट**

नैनी (प्रयागराज)। नैनी के महेवा क्षेत्र में ई-रिक्शा की बैटरियां चोरी होने की लगातार घटनाओं से चालकों में दहशत है। बीते पांच दिनों में तीन ई-रिक्शों से बैटरियां चोरी होने के मामले सामने आए हैं। आरोप है कि चोर ई-रिक्शा को निशाना बनाकर उसकी कीमती बैटरियां निकाल लेते हैं और खाली वाहन सड़क किनारे छोड़कर फरार हो जाते हैं। एक बैटरी की कीमत करीब ६० से ८० हजार रुपये बतायी जा रही है।

जानकारी के मुताबिक, ८ अक्तूबर को महेवा पूरब पट्टी स्थित आरएनटी स्कूल के पास खड़े ई-रिक्शा से बैटरी चोरी कर ली गयी।

इसी दिन हाईवे पर राजपूत ढाबा के पास एक अन्य ई-रिक्शा खाली मिला। इसकी सूचना एग्रीकल्चर चौकी को दी गयी। इसके बाद १३ अक्तूबर की रात करीब १२:४८ बजे काली चौरा मंदिर के सामने गली में खड़े तीसरे ई-रिक्शा को निशाना बनाया गया। चोर उसकी चारों बैटरियां निकाल ले गये और वाहन वहीं छोड़ दिया। लगातार हो रही घटनाओं से ई-रिक्शा चालकों की चिंता बढ़ गयी है। बैटरियां महंगी होने के कारण उन्हें भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है, जिससे उनकी रोजी-रोटी भी प्रभावित हो रही है।

चालकों ने महेवा, राजपूत ढाबा और काली चौरा मंदिर के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने तथा रात में पुलिस गश्त बढ़ाने की मांग की है। इस संबंध में नैनी इंस्पेक्टर अविनाश कुमार सिंह ने बताया कि तीनों ई-रिक्शों को कब्जे में लिया गया है। मौके से मिले औजार को साक्ष्य के तौर पर सुरक्षित रखा गया है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपितों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है।

ज्ञान मण्डल प्राइवेट लिमिटेडके लिए जितेन्द्र कुमार सिंह द्वारा ज्ञानमण्डल यंत्रालय, ३ लीडर रोड, प्रयागराजसे मुद्रित तथा लीडर बिल्डिंग, ३ लीडर रोड, प्रयागराज से प्रकाशित।

सम्पादक : शार्दूल विक्रम गुप्त

स्थानीय सम्पादक-जितेन्द्र सिंह

वाराणसी : सन्त कबीर मार्ग
गोरखपुर : बैंक रोड
कानपुर : बांसमण्डी
लखनऊ : १, जापलिंग रोड
आगरा : महात्मा गांधी रोड
बरेली : रोड नं. ३, परसाखेड़ा
पटना : फ्रेजर रोड
रांची : नामकुम इंडस्ट्रियल एरिया
जमशेदपुर : कालीमाटी रोड
धनबाद : कतरास रोड

वर्ष-३१ पू.सं. (११३५६)
रजिस्ट्रेशन संख्या-५९७४१/९५

दूरभाष: २६१५०८०,२६१६१५४

E-mail:ajalld@yahoo.com
ajalld@rediffmail.com
ajdaily86@gmail.com

पी.आर.बी. अधिनियमके अन्तर्गत समाचारके चयनके लिए जितेन्द्र सिंह जिम्मेदार होंगे तथा समस्त विवाद जनपद न्यायालय, प्रयागराजके अधीन होगा।

## अन्ना पशुओंके आतंकसे किसान बेहाल, खेतोंमें झोपड़ी बनाकर कर रहे रखवाली

लालापुर (प्रयागराज)। लालापुर क्षेत्र में अन्ना पशुओं के झुंड किसानों के लिए परेशानी का सबब बने हुए हैं। खेतों में खड़ी फसलों को बचाने के लिए किसान दिन-रात रखवाली करने को मजबूर हैं। कई किसानों ने खेतों में झोपड़ियां बना रखी हैं, जहां रहकर वे अपनी मेहनत से तैयार फसल की निगरानी कर रहे हैं।

घूरी, इच्छौरा, महेरा, अमिलिया, लालापुर, गोइसरा, गोबरा, सोनौरी, छतहरा, बहसरा, चिल्ला, सुजौना, पूरे किनर, जगदीशपुर, नगरवार, कचरा, मानपुर, बेलामुंडी, नागनपुर और मझियारी समेत आसपास के गांवों में किसान अन्ना पशुओं से परेशान बताए जा रहे हैं।

ग्रामीणों के मुताबिक, पशुओं के झुंड खेतों में घुसकर फसलों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। दिनभर खेती-किसानी करने के बाद किसानों को रात में भी खेतों की रखवाली करनी पड़ रही है। इससे उनकी नींद और दिनचर्या प्रभावित हो रही है। किसानों को हर समय फसल बर्बाद होने की चिंता सताती रहती है। ग्रामीणों ने प्रशासन से अन्ना पशुओं की समस्या का स्थायी समाधान कराने की मांग की है। उनका कहना है कि जब तक पशुओं को नियंत्रित करने की प्रभावी व्यवस्था नहीं होगी, तब तक किसानों को अपनी फसल बचाने के लिए दिन-रात पहरा देना पड़ेगा।



लालापुर क्षेत्र में अन्ना पशुओं से फसल बचाने के लिए खेत में रखवाली करता किसान।

## मां सिद्धिदात्री की पूजा-अर्चना कर श्रद्धालुओं ने मांगी सुख-समृद्धि

**नवरात्र की नवमी पर मंदिरों और पण्डालों में उमड़ी भीड़ जगह-जगह हुआ कन्या भोज**

बरगढ़, चित्रकूट। शारदीय नवरात्र के नौवें और अंतिम दिन सोमवार, १९ अक्तूबर को बरगढ़ कस्बे में मां सिद्धिदात्री की पूजा-अर्चना के लिए मंदिरों और दुर्गा पंडालों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी।

भक्तों ने विधि-विधान से पूजन कर परिवार की सुख-शांति और समृद्धि की कामना की। सुबह से ही मंदिरों और पंडालों में मां के जयकारे गूंजते रहे।

पंडित डा. बालेन्द्र मिश्रा के सानिध्य में श्रद्धालुओं ने हवन-पूजन किया। उन्होंने बताया कि मां सिद्धिदात्री की आराधना से भक्तों को सिद्धि और सुख-समृद्धि की प्राप्ति का आशीर्वाद मिलता है।

नवरात्र की नवमी को पूजा-अर्चना और हवन का विशेष महत्व माना जाता है। मां भगवती को सभी कार्यों में सिद्धि प्रदान करने वाली देवी के रूप में पूजा जाता है। कस्बे के साथ आसपास के गांवों में भी भक्तिमय माहौल रहा। कलश स्थापना करने वाली महिलाओं ने मां सिद्धिदात्री का विधि-विधान से पूजन कर हवन किया। कई स्थानों पर कन्या भोज का आयोजन हुआ। श्रद्धालुओं ने कन्याओं के चरण धोकर उनका पूजन किया और भोजन कराकर आशीर्वाद लिया। धार्मिक आयोजनों में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए।

## विजयादशमी से पहले मऊआइमा के काष्ठ मेले में बढ़ी रौनक

**कई जिलों से पहुंचे व्यापारी, तख्त, मेज-कुर्सी से लेकर खिलौनों तक की दुकानें सजीं**

मऊआइमा (प्रयागराज)। विजयादशमी से दो दिन पहले ही मऊआइमा नगर पंचायत क्षेत्र के रामबाग स्थित तालाब के निकट लगने वाले काष्ठ मेले की रौनक बढ़ने लगी है। प्रयागराज के अलावा फतेहपुर, सहारनपुर, प्रतापगढ़, सुल्तानपुर और कौशांबी समेत विभिन्न जिलों से व्यापारी लकड़ी से बने सामान लेकर पहुंचे हैं। मेले में तख्त, मेज, कुर्सी, बेंच, चौकी, पीढ़ा, बेलन, चिमटा और बच्चों के खिलौनों की दुकानें सज गयी हैं। बिक्री शुरू होते ही खरीदार भी पहुंचने लगे हैं।



स्थानीय लोगों के मुताबिक, मेले में हर साल बड़ी संख्या में लकड़ी के तख्तों की बिक्री होती है। बाजार की तुलना में कम कीमत पर सामान मिलने के कारण आसपास के क्षेत्रों से लोग खरीदारी करने आते हैं। घरेलू उपयोग की वस्तुओं के साथ यहां लकड़ी से बने कई तरह के सामान उपलब्ध हैं।

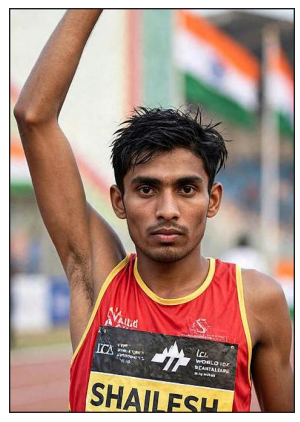
फतेहपुर से आए काष्ठ व्यापारी नरेश विश्वकर्मा और महेंद्र कुमार ने बताया कि वे पिछले दो वर्षों से ट्रकों में लकड़ी का सामान लेकर मेले में बिक्री करने आ रहे हैं। वहीं, सहारनपुर से पहली बार पहुंचे मोहम्मद नईम सैफी, मुमताज सैफी और मेराज सैफी ने बताया कि मेले में अच्छी बिक्री होने की जानकारी मिलने पर वे लकड़ी के चिमटे, बच्चों की गड़ारी, खिलौने आर अन्य सामान लेकर आए हैं।**दो हजार से चार हजार रुपये तक मिल रहे तख्त-**व्यापारियों के अनुसार, मेले में लकड़ी के तख्त २,००० से ४,००० रुपये तक, बेंच ३०० से ६०० रुपये, चौकी ४०० से ७०० रुपये और पीढ़ा ३० से ४० रुपये तक में उपलब्ध है। बेलन, चिमटा और अन्य छोटी वस्तुएं भी २०० रुपये के भीतर मिल रही हैं। सामान की कीमत लकड़ी की गुणवत्ता और बनावट के आधार पर तय होती है। व्यापारियों ने बताया कि लकड़ी, ढुलाई और मजदूरी की बढ़ती लागत से कारोबार का खर्च बढ़ा है। इसके बावजूद वे कई महीने पहले से मेले के लिए सामान तैयार करने में जुट जाते हैं। व्यापारियों ने बताया कि मेले में सुरक्षा की व्यवस्था अच्छी है। पास में पुलिस चौकी होने से उन्हें सुरक्षा का भरोसा रहता है। कई व्यापारी समूह बनाकर अपना खाना खुद तैयार करते हैं और रात में दुकानों पर रखे तख्तों पर सोकर समय बिताते हैं। तीन दिन तक बिक्री करने के बाद वे बचा हुआ सामान लेकर दूसरे स्थानों पर लगने वाले मेलों के लिए रवाना हो जाते हैं।

## दिल्ली हाफ मैराथन में गौहनिया के शैलेश कुशवाहा ने मारी बाजी

**२१.०९७ किलोमीटरकी दौड़ १ घंटा ५ मिनट ५ सेकंडमें पूरी की, मिला ३.५० लाख रुपये का पुरस्कार**

घूरपुर (प्रयागराज)। गौहनिया गांव के अंतरराष्ट्रीय धावक शैलेश कुशवाहा ने वेदांता दिल्ली हाफ मैराथन में शानदार प्रदर्शन करते हुए भारतीय पुरुष एलीट वर्ग में पहला स्थान हासिल किया। उनकी इस उपलब्धि से घूरपुर क्षेत्र सहित पूरे जिले में खुशी की लहर दौड़ गयी है।

रविवार को नई दिल्ली में आयोजित २१.०९७ किलोमीटर की प्रतिष्ठित हाफ मैराथन में देश-विदेश के धावकों ने हिस्सा लिया। शैलेश ने यह दूरी १ घंटा ५ मिनट ५ सेकंड में पूरी कर भारतीय वर्ग का खिताब अपने नाम किया। दूसरे स्थान पर रहे गौरव माथुर उनसे महज ६ सेकंड पीछे रहे, जबकि हेमंत कुमार तीसरे स्थान पर रहे। भारतीय वर्ग में विजेता शैलेश को ३ लाख ५० हजार रुपये का नकद पुरस्कार दिया गया। अंतरराष्ट्रीय पुरुष वर्ग में केन्या के चार्ल्स माताता ने ५८ मिनट ५२ सेकंड में दौड़ पूरी कर नया कोर्स रिकार्ड बनाया। उन्होंने वर्ष २०२० में बने ५८ मिनट ५३ सेकंड के रिकार्ड को पीछे छोड़ दिया। वहीं, अंतरराष्ट्रीय महिला वर्ग में इथियोपिया की वुडिनेश अलेमु ने १ घंटा ६ मिनट ३५ सेकंड में खिताब जीता। मदन मोहन मालवीय स्टेडियम के एथलेटिक्स प्रशिक्षक सत्येंद्र सिंह ने बताया कि शैलेश कुछ वर्ष पहले तक स्टेडियम में अभ्यास करते थे। साधारण परिवार से आने वाले शैलेश में शुरू से ही दौड़ के प्रति जुनून रहा है। वर्तमान में वह बेंगलुरु में उच्चस्तरीय प्रशिक्षण ले रहे हैं। उनका लक्ष्य अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भारत के लिए पदक जीतना और ओलंपिक में देश का प्रतिनिधित्व करना है। शैलेश की जीत की खबर गांव पहुंचते ही परिजनों और ग्रामीणों में उत्साह छा गया। ग्रामीणों ने मिठाई बांटकर खुशी जतायी और उन्हें बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की।




## जल जीवन मिशन की टंकियां बनीं शोपीस अधूरी पाइपलाइन से ग्रामीण परेशान

**शंकरगढ़ और जसरा के गांवों में जगह-जगह खोदायी के बाद छोड़े गये गड्ढे, पेयजल आपूर्ति प्रभावित**

लालापुर (प्रयागराज)। ग्रामीण क्षेत्रों में हर घर तक नल से स्वच्छ पेयजल पहुंचाने के उद्देश्य से शुरू किया गया जल जीवन मिशन कई गांवों में अधूरे काम के चलते ग्रामीणों के लिए परेशानी का सबब बना हुआ है। शंकरगढ़ और जसरा ब्लाक के कई गांवों में योजना के तहत बनाई गयी पानी की टंकियां और बिछाई गयी पाइपलाइन अपेक्षित रूप से संचालित नहीं हो पा रही हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि पानी की टंकियां शोपीस बनकर रह गयी हैं और उन्हें नियमित पेयजल का लाभ नहीं मिल रहा है।

जल जीवन मिशन के तहत शंकरगढ़ और जसरा ब्लाक के गांवों में पाइपलाइन बिछाने का काम विष्णु प्रकाश आर पुंगलिया लिमिटेड को दिया गया था। पाइपलाइन डालने के लिए ग्रामीण इलाकों में जगह-जगह खोदायी की गई, लेकिन कई स्थानों पर काम अधूरा छोड़ दिये जाने से गड्ढे बने हुए हैं। इससे ग्रामीणों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।कंपनी के एक साइट इंजीनियर के अनुसार कराये गये कार्य का भुगतान अभी तक नहीं हो पाया है। इसके चलते कई स्थानों पर काम अधूरा पड़ा हुआ है। वहीं ग्रामीणों का कहना है कि योजना पर खर्च होने के बावजूद उन्हें इसका अपेक्षित लाभ नहीं मिल पा रहा है। ग्रामीणों ने प्रशासन से अधूरे कार्यों को जल्द पूरा कराने, खोदी गयी सड़कों और रास्तों को दुरुस्त कराने तथा पानी की टंकियों से नियमित पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित कराने की मांग की है। उनका कहना है कि गर्मी और रोजमर्रा की जरूरतों के बीच स्वच्छ पेयजल की समस्या लगातार बनी हुई है। ग्रामीणों का सवाल है कि जब योजना का उद्देश्य हर घर तक पानी पहुंचाना है तो अधूरे काम और बंद पड़ी व्यवस्थाओं के बीच उन्हें इसका लाभ कब मिलेगा। प्रशासन से मामले की जांच कर जिम्मेदार एजेंसी से काम पूरा कराने की मांग की गयी है।

## विकास की बाट जोह रहा मानपुर गांव का ऐतिहासिक पंचायत चबूतरा

**कभी इसी स्थान पर सुलझते थे बड़े-बड़े विवाद ग्रामीणों ने सौंदर्यीकरण की उठायी मांग**

लालापुर (प्रयागराज)। जसरा विकास खंड के मानपुर गांव में कभी न्याय और आपसी भाईचारे का प्रतीक रहा पंचायत का ऐतिहासिक चबूतरा आज बदहाली और उपेक्षा का शिकार है। इसी चबूतरे पर वर्षों पहले गांव की पंचायत बैठती थी, जहां बड़े-बड़े विवादों का निपटारा आपसी सहमति और न्यायसंगत तरीके से किया जाता था। ग्रामीण पंचायत के फैसलों को स्वीकार कर विवादों का समाधान कर लेते थे।

ग्रामीणों के अनुसार, वर्षों पहले जसरा के खंड विकास अधिकारी ने चबूतरे के सौंदर्यीकरण के लिए निर्देश दिये थे। इसके बावजूद अब तक इसका कायाकल्प नहीं हो सका। समय के साथ गांव की इस ऐतिहासिक पहचान की उपेक्षा होती रही और चबूतरा विकास की बाट जोहता रहा। ग्रामीणों का कहना है कि यह चबूतरा केवल बैठने का स्थान नहीं, बल्कि गांव की पुरानी परंपरा, सामाजिक एकता और सामूहिक निर्णय व्यवस्था का प्रतीक है। इसकी उपेक्षा से गांव की ऐतिहासिक विरासत भी प्रभावित हो रही है।

ग्रामीणों ने संबंधित अधिकारियों से चबूतरे का सौंदर्यीकरण कराकर इसे नया स्वरूप देने की मांग की है, ताकि इस धरोहर को संरक्षित किया जा सके और आने वाली पीढ़ियां भी इसके महत्व से परिचित हो सकें। इन ग्रामीणों ने उठाई मांग: गुलाब सिंह, विजय शंकर सिंह परिहार, नारायण प्रताप द्विवेदी, शिवेंद्र प्रताप सिंह, संतोष भारतवासी, सोनू, अतुल द्विवेदी, रिशू, आकाश, छोटू, अजय प्रताप सिंह, छोटके और अद्विक द्विवेदी सहित अन्य ग्रामीण।

## मुक्त विश्वविद्यालय में स्क्रूटनी के लिए आवेदन २७ तक

फाफामऊ (प्रयागराज)। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज ने जून-२०२६ की परीक्षा में शामिल विद्यार्थियों के लिए महत्वपूर्ण सूचना जारी की है। परीक्षा में प्राप्त अंकों से असंतुष्ट छात्र अपनी उत्तर पुस्तिकाओं की स्क्रूटनी कराने के लिए २७ अक्तूबर तक आनलाइन आवेदन कर सकते हैं।परीक्षा नियंत्रक की ओर से जारी सूचना के अनुसार, विश्वविद्यालय ने स्क्रूटनी के लिए आवेदन प्रक्रिया १७ अक्तूबर शुरू हुई है। इच्छुक परीक्षार्थी निर्धारित शुल्क जमा कर अंतिम तिथि तक आनलाइन आवेदन कर सकेंगे। विश्वविद्यालय प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित अंतिम तिथि के बाद प्राप्त किसी भी आवेदन पर विचार नहीं किया जाएगा। इसलिए विद्यार्थियों को समय रहते आवेदन प्रक्रिया पूरी करने की सलाह दी गयी है। विश्वविद्यालय के जनसंपर्क अधिकारी डा. प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि परीक्षार्थी स्क्रूटनी शुल्क और आवेदन प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट से प्राप्त कर सकते हैं।